Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 20 May 2024

Dainik Jagran Page - 04

समारोह के लिए गोविंद के दीक्षा भवन का होगा पुनरुद्धार

- 30 अगस्त को दीक्षा समारोह के बाद शुरू होगी पुनरुद्धार की प्रक्रिया
- पीएम उषा से मिली धनराशि से कराया जाएगा कार्य

दीक्षा भवन की एक नया स्वरूप देने की योजना है। पीएम उषा से मिली धनराशि से एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के बाद ही इसका पुनरुद्धार होगा तकि विश्वविद्यालय के स्थापना के उद्देश्यों जुड़ियों से पता चले यह पूरी तरह तैयार हो सके।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय में 43वें दीक्षांत समारोह की तिथि निर्धारित कर स्वीकृति के लिए राजभवन भेजा दी है, इसलिए पुनरुद्धार का कार्य दीक्षांत समारोह के बाद शुरू कराने का निर्णय लिया है। 5 करोड़ रुपये से सज़ेगा दीक्षा भवन : दीक्षा भवन के पुनरुद्धार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने आठ करोड़ रुपये का प्राक्कलन तैयार किया है। यह धनराशि पीएम उषा के तहत मिले 100 करोड़ रुपये का हिस्सा होगी। इस धनराशि से भवन को चारों तरफ से संज्ञाया जाएगा। दीक्षांत समारोह के बाद ही इसके भव्यरूप से देखा जा सकेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि दीक्षा भवन के पुनरुद्धार के लिए राजभवन से धनराशि मिली है। यह धनराशि पीएम उषा के तहत मिले 100 करोड़ रुपये का हिस्सा होगी। इस धनराशि से भवन को चारों तरफ से संज्ञाया जाएगा। दीक्षांत समारोह के बाद ही इसका पुनरुद्धार होगा तकि विश्वविद्यालय के स्थापना के उद्देश्यों जुड़ियों से पता चले

गोविंद के छात्रों के विद्यार्थियों का 'समर्थ' से होगा पंजीकरण

विश्वविद्यालय के संचालित सभी प्रोग्राम और उनमें आवश्यक पाठ्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड कर रहा है।

मणि त्रिपाठी के नाम से एक लेक्चुरर चेतना बनाने के लिए कोई है। इसमें दीक्षांत समारोह, सांस्कृतिक उत्सवोंके कार्य नहीं हुआ है। इस पैलेस और संगीत्यो जैसे आयोजन दोहरे हुए विश्वविद्यालय ने डानमंड समारोह के आयोजन से इसमें होते रहते हैं। करीब एक हजार जुड़ियों समारोह के आयोजन से लेकर्रों के पेंटने की क्षमता वाले इस प्रेक्षागृह में निर्माण के बाद से उसे पहले उसे और अधिक आकर्षक बनाने की योजना बनाई है। चूंकि का कार्य किया जाएगा।

Amar Ujala page - 07

अब समर्थ से होगा विश्वविद्यालय और कॉलेज के विद्यार्थियों का पंजीकरण

सत्र 2024-25 से पोर्टल के माध्यम से होगी प्रवेश से लेकर डिग्री की प्रक्रिया

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से नए विद्यार्थियों का पंजीकरण समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगा। इसमें विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल होंगे। सभी की लॉगिन आईडी बनेगी, जिसके माध्यम से यह शुल्क जमा करने से लेकर परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे।

समर्थ पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह पहले कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में इस पर कार्य करने के लिए एमओयू हस्तांतरित किया था। इससे विद्यार्थियों के प्रवेश से लेकर परीक्षाओं तथा उपाधि तक की सभी क्रियाएं ऑनलाइन होंगी। साथ ही सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती, वेतन प्रोन्नति आदि भी समर्थ से होगी।

विश्वविद्यालय की सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और त्रुटि रहित प्रणाली प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल विश्वविद्यालय को आधुनिकता की ओर ले जाएगी और सभी संबंधित पक्षों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

Hindustan Page 05, 07

कॉलेजों को भी 'समर्थ' के जरिए करना होगा विद्यार्थियों का प्रवेश

डीडीयू

- सत्र 2024-25 से विश्वविद्यालय के सभी कार्य होंगे समर्थ पोर्टल पर
- प्रवेश, परीक्षा और परिणाम के सभी रिकॉर्ड भी समर्थ पोर्टल पर होंगे दर्ज
- समर्थ पर फाइल ट्रैकिंग सिस्टम भी होगा, प्रक्रिया होगी आसान

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू ने डिजिटल पोर्टल 'समर्थ' के माध्यम से सभी प्रक्रिया पूरी करने की शुरुआत कर दी है। सत्र 2024-25 से विश्वविद्यालय से लेकर कॉलेजों तक में विद्यार्थियों का प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तक 'समर्थ' पर अनलोड होगा। शिक्षकों-कर्मचारियों का पूरा डाटा भी समर्थ पर अपलोड होगा।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में कार्य दो हजारी पहले डीडीयू प्रशासन ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में समर्थ पोर्टल पर कार्य करने के लिए एमओयू किया था। इसके तहत सभी डाटा भारत सरकार के पोर्टल 'समर्थ' पर सभी डाटा अपलोड करना होगा। समर्थ से विद्यार्थियों के प्रवेश से लेकर परीक्षाओं और उपाधि तक की सभी क्रियाएं ऑनलाइन होंगी। साथ ही सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती, वेतन प्रोन्नति आदि भी समर्थ से होगी।

विश्वविद्यालय के संचालित सभी प्रोग्राम और उनमें आवश्यक पाठ्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है।

सभी कॉलेजों का बनाया जा रहा लॉगिन

सत्र 2024-25 में कुल सम्बद्ध कॉलेजों की संख्या 340 होगी। सम्बद्ध सभी कॉलेज समर्थ पर अपना डाटा अपलोड कर सकें। इसके लिए पोर्टल पर उनका लॉगिन बनाया जा रहा है। इसमें अलग-अलग मॉड्यूल के माध्यम से छात्रों का विश्वविद्यालय जीवन, सभी फॉर्मों का हिसाब, ई-मार्कशीट, ग्रेजुएशन सब कुछ सुव्यवस्थित रहेगा।

Amar Ujala Select Page 04

अब समर्थ से होगा विश्वविद्यालय व कॉलेज के विद्यार्थियों का पंजीकरण

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से नए विद्यार्थियों का पंजीकरण समर्थ पोर्टल के माध्यम से होगा। इसमें विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल होंगे। सभी की लॉगिन आईडी बनेगी, जिसके माध्यम से यह शुल्क जमा करने से लेकर परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे।

समर्थ पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह पहले कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में इस पर कार्य करने के लिए एमओयू हस्तांतरित किया था। इससे विद्यार्थियों के प्रवेश से लेकर परीक्षाओं तथा उपाधि तक की सभी क्रियाएं ऑनलाइन होंगी। साथ ही सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती, वेतन प्रोन्नति आदि भी समर्थ से होगी।

विश्वविद्यालय की सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और त्रुटि रहित प्रणाली प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल विश्वविद्यालय को आधुनिकता की ओर ले जाएगी और सभी संबंधित पक्षों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

बनेंगी सात प्रयोगशालाएं, बी व डी फार्मा में 60 सीटें

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 से फार्मेसी की पढ़ाई होनी है। विश्वविद्यालय ने डी फार्मा और बी फार्मा कार्यक्रमों की मंजूरी के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से आवेदन किया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटें होंगी। साथ ही बेहतर पढ़ाई के लिए सात प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि निकट भविष्य में संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने के लिए एम फार्मा और विभिन्न पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू करेगा। पहले चरण में सात प्रयोगशालाएं और चार व्याख्यान कक्ष बनाए जाएंगे। इसमें दो फार्मास्युटिक्स केमिस्ट्री लैब, फार्मेसी प्रैक्टिस लैब, दो फार्मास्युटिक्स लैब, फार्माकोग्नॉसी लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक कॉन्फ्रेंस हॉल, गर्ल्स और बॉयज कॉमन रूम, मशीन रूम, पेंट्री, स्टोर रूम, स्वतंत्र फार्मेसी लाइब्रेरी, फैकल्टी रूम, एनिमल हाउस, हर्बल गार्डन और इंटरनेट सुविधा के साथ एक कंप्यूटर रूम की व्यवस्था की जाएगी। कुलपति ने कहा कि यह पहल पूर्वांचल के क्षेत्र में फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य छात्रों को एक ऐसा शैक्षिक आधार और अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है, जो उन्हें फार्मेसी के क्षेत्र में सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करेगा।

Inext Page - 04

अब डीडीयूजीयू पहुंचाएगा स्टूडेंट्स के घर डिग्री

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (19 May): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नए सत्र से नए विद्यार्थियों का पंजीकरण 'समर्थ' पोर्टल के माध्यम से होगा।इसमें विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों के विद्यार्थी शामिल होंगे।सभी विद्यार्थियों को आसान आइडी-लॉगिन करेंगे, जिसके माध्यम से वह शुल्क जमा करने से लेकर परीक्षा फार्म भर सकेंगे।

'समर्थ' पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया है. गोरखपुर विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह पहले कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में इसे लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय से करार किया था. इससे विद्यार्थियों को प्रवेश से लेकर परीक्षाओं तथा उपाधि तक की सभी कार्य आसानहोंगे।

सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं. समर्थ पोर्टल के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और त्रुटि रहित प्रणाली प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है.

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

Swatantra Chetna Page - 10

समर्थ पोर्टल से हुई प्रक्रियाओं को डिजिटल करने की शुरुआत

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। राजभवन तथा प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लिए गए निर्णय के क्रम में, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अपनी सभी प्रक्रियाओं को डिजिटल/ऑनलाइन करने हेतु समर्थ पोर्टल का उपयोग प्रारंभ कर दिया है।

यह पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह पूर्व की कुलाधिपति की उपस्थिति में समर्थ पोर्टल पर कार्य करने के लिए एम ओ यू हस्तांतरित किया है।

इस पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रवेश से लेकर परीक्षाओं तथा उपाधि तक की सभी क्रियाएं ऑनलाइन होंगी। साथ ही सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती, वेतन, प्रोन्नति जैसे कार्य भी 'समर्थ' से ही होंगे।विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों, हास्टल, खेल आदि को भी इसके माध्यम से देखा जा सकेगा. विश्वविद्यालय में संचालित सभी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है.

फॉर्मेसी में पूर्वांचल का उत्कृष्ट केंद्र होगा विश्वविद्यालय

- बीफार्मा और डीफार्मा पाठ्यक्रम में 60 सीटें होंगी उपलब्ध

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में फार्मेसी संकाय की शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से शुरू सत्र से बीफार्मा और डीफार्मा की पढ़ाई होगी।

विश्वविद्यालय ने फार्मेसी के डीफार्मा और बी फार्मा कार्यक्रमों की मंजूरी के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से आवेदन किया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटें होंगी। साथ ही बेहतर पढ़ाई के लिए सात प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि निकट भविष्य में संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने के लिए एम फार्मा और विभिन्न पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू करेगा। पहले चरण में सात प्रयोगशालाएं और चार व्याख्यान कक्ष बनाए जाएंगे। इसमें दो फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री लैब, फार्मेसी प्रैक्टिस लैब, दो फार्मास्युटिक्स लैब, फार्माकोग्नॉसी लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक कॉन्फ्रेंस हॉल, गर्ल्स और बॉयज कॉमन रूम, मशीन रूम, पेंट्री, स्टोर रूम, स्वतंत्र फार्मेसी लाइब्रेरी, फैकल्टी रूम, एनिमल हाउस, हर्बल गार्डन और इंटरनेट सुविधा के साथ एक कंप्यूटर रूम की व्यवस्था की जाएगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि निकट भविष्य में संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश में आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने के लिए एम फार्मा और विभिन्न पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू करेगा। पहले चरण में सात प्रयोगशालाएं और चार व्याख्यान कक्ष बनाए जाएंगे। इसमें दो फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री लैब, फार्मेसी प्रैक्टिस लैब, दो फार्मास्युटिक्स लैब, फार्माकोग्नॉसी लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक कॉन्फ्रेंस हॉल, गर्ल्स और बॉयज कॉमन रूम, मशीन रूम, पेंट्री, स्टोर रूम, स्वतंत्र फार्मेसी लाइब्रेरी, फैकल्टी रूम, एनिमल हाउस, हर्बल गार्डन और इंटरनेट सुविधा के साथ एक कंप्यूटर रूम की व्यवस्था की जाएगी। कुलपति ने कहा कि यह पहल पूर्वांचल के क्षेत्र में फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य छात्रों को एक ऐसा शैक्षिक आधार और अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है, जो उन्हें फार्मेसी के क्षेत्र के साथ समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार करेगा।

Rashtriya Sahara Page - 07

नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी

विकास भारती स्कूल

पिपराइच (एसएनवी)। क्षेत्र के विकास भारती स्कूल में स्टूडेंट्स प्रैक्टिकैटोरियल बोर्ड का गठन किया गया। जिसमें वर्तमान शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए छात्रों की तरफ से स्कूल ऑथोरिटी का चयन किया गया। चयनित छात्रों में आयुष कुमार व अमित सिंगठी को कालरा हेड व्यवि ने हेड गर्ल, सौहित कुमार पाठक व वेदांशी भार्गवित को स्कूल प्रीफेक्ट, इसी प्रकार हर्षित जायसवाल, कृशाल सिंह, आशुतोष कुमार, अरविंद कुमार, तनिष्का राय, सृष्टि मजूमिया व अनन्या सिंह को हाउस कैप्टन, सोहन सिंह, शिवम अग्रवाल, आदित्य यादव, सूर्यांश कुशवाहा को वाइस कैप्टन चुना गया। इसी प्रकार मैस कमेटी इंचार्ज,लाइब्रेरी कार्डसिस इंचार्ज, गेम इंचार्ज, आर्ट व क्राफ्ट सेक्रेटरी, स्पोर्टस कैप्टन, डिसिप्लिन इंचार्ज, कल्चर इंचार्ज आदि भी चुने गए और उन्हें कार्यभी की जिम्मेदारियां सौंपी गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्यगणमान्य

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर पूनम टंडन, वाइस चांसलर दीनदयाल उपाध्याय विश्व विद्यालय गोरखपुर ने पदाधिकारियों को बैज लगाकर उन्हें सम्मानित किया और उन्हें अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक पालन करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर एकेडमिक अचीवर्स अवार्ड भी वितरित किए गए, जिसमें कक्षाओं के टापर्स छात्रछात्राओं को सम्मानित कर उन्हें मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। स्कूल टापर्स का विद्यांश नमन आकाश को दिया गया। नमन ने मिलने सब में सर्वाधिक अंक हासिल किए थे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके पांण्डेय ने नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को बधाई दी हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों व चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के आयोजन, संचालन व संयोजन में प्रमुख समागम के लिए विद्यालय के संचिव श्याम त्रिपाठी आवलाए, वेदमनि अशोक मालवीयलिया व वाइस प्रिंसिंटेट, वरिष्ठ स्टाफ्स पुष्प दत्त जैन ने प्रायार्य डॉ. एके पांण्डेय व उनकी पूरी टीम को सराहना की।